संपादकीय

अब विश्व मंच पर

जिस चीज के लिए बॉलीवुड तरसता रहा है, वह विश्व मंच पर गुणवत्ता के लिहाज से सराहना और सम्मान है। संभवत: इनके लिए इसे अभी और इंतजार करना होगा। इस बीच दक्षिण में बन रही उच्च तकनीक कौशल की फिल्मों ने इस मोर्चे पर झंडा गाड़ना शुरू कर दिया है।

भारत का बॉलीवुड दशकों से दुनिया में मशहूर है। मनोरंजक फिल्में बनाने के साथ-साथ बड़ा कारोबार करने के लिए भी यहां की फिल्मों ने काफी पहले अपनी पहचान बना ली थी। पाकिस्तान- अफगानिस्तान से लेकर पश्चिम एशिया और अफ्रीका तक में बॉलीवुड की फिल्मों का बड़ा बाजार रहा है। लेकिन जिस एक चीज के लिए बॉलीवुड तरसता रहा है, वह विश्व मंच पर गुणवत्ता के लिहाज से सराहना और सम्मान है। संभवत: इनके लिए इसे अभी और इंतजार करना होगा। इस बीच दक्षिण में बन रही उच्च तकनीक कौशल की फिल्मों ने इस मोर्चे पर झंडा गाड़ना शुरू कर दिया है। इसके संकेत इस वर्ष गोल्डन ग्लोब अवार्ड्स के समय ही मिल गए थे, जब आरआरआर फिल्म क गाने नाटू-नाटू को बेस्ट सॉन्ग का अवार्ड मिला था। अब इस गाने ने यही उपलब्धि ऑस्कर में भी दोहरा दी है। दरअसल 95वें ऑस्कर में एक साथ दो अलग-अलग भारतीय फिल्मों ने बाजी मारी है। तेलुगु फिल्म आरआरआर के साथ-साथ डॉक्यूमेंट्री द एलिफेंट व्हिस्परर्स ने वहां पुरस्कार जीते हैं। आरआरआर के गीत नाटू नाटू को बेस्ट ओरिजिनल सॉन्ग और द एलिफेंट व्हिस्परर्स को बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शार्ट फिल्म के पुरस्कार से नवाजा गया।

ऑस्कर पुरस्कारों के 95 साल के इतिहास में भारत को चौथी बार ऑस्कर हासिल हुआ है। इससे पहले 1983 में गांधी फिल्म के लिए भानु अथैया को बेस्ट कॉस्ट्यूम अवॉर्ड, 1992 में सत्यजीत रे को लाइफटाइम अचीवमेंट और फिर 2009 में स्लमडॉग मिलियनेयर को तीन अलग अलग श्रेणियों में ऑस्कर मिला मिला था। स्लमडॉग मिलियनेयर के गीत जय हो को इसी श्रेणी में ऑस्कर मिला था। गाने को गुलजार ने लिखा था और एआर रहमान ने उसका संगीत दिया था। इस बीच द एलिफेंट व्हिस्परर्स को मिले सम्मान से एक खास समस्या की तरफ ध्यान खींचने में भी मदद मिलेगी। हाथियों के संरक्षण के विषय पर बनी यह एक महत्वपूर्ण फिल्म है। यह तमिलनाडु के मुदुमलई राष्ट्रीय उद्यान में घायल हाथियों को बचा कर लाने और उनके संरक्षण की कहानी है। तो यह हर्ष की बात है कि भारतीय सिनेमा को वह सम्मान मिलने लगा है, जिसका लंबे समय से इंतजार था।

भारत में अच्छी तरह से विनियमित और निगरानी वाला बैंकिंग क्षेत्र है : आरबीआई गवर्नर

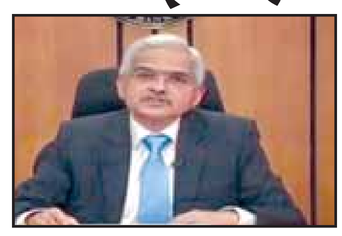

कोच्चि। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास ने शुक्रवार को देश की बैंकिंग प्रणाली को हरी झंडी दिखाते हुए इस बात पर जोर दिया कि कैसे अमेरिका में हाल की घटनाओं ने बैंकिंग क्षेत्र के नियमन और पर्यवेक्षण की अहमियत को सामने ला दिया है। उन्होंने केपी हॉरमिस स्मारक व्याख्यान देते हुए कहा- आज हमारे पास भारत में एक अच्छी तरह से विनियमित और अच्छी तरह से पर्यवेक्षित बैंकिंग क्षेत्र है। यह आरबीआई के डोमेन के तहत एनबीएफसी क्षेत्र और अन्य वित्तीय संस्थाओं पर लागू होगा।

होर्मिस केरल मुख्यालय वाले फेडरल बैंक के संस्थापक थे। दास ने बताया कि अब केवल लक्षणों से निपटने के बजाय कमजोरियों के मूल कारण की पहचान करने पर अधिक ध्यान दिया जाता है।

उन्होंने कहा- हमने वित्तीय संस्थाओं के निरीक्षण और आश्वासन कार्यों पर संशोधित दिशानिर्देश भी जारी किए हैं। उन्नत डेटा एनालिटिक्स का उपयोग हमारी पर्यवेक्षी प्रक्रिया का पूरक है। साइबर लचीलापन को मजबूत करने के लिए, डिजिटल भुगतान सुरक्षा नियंत्रण दिशानिर्देशों के साथ बैंकों के लिए एक व्यापक साइबर सुरक्षा ढांचा जारी किया गया है। हमने पर्यवेक्षकों के कॉलेज की भी स्थापना की है और हाल के वर्षों में कर्मचारियों की संख्या में काफी वृद्धि की है।

दास ने इस बात पर ध्यान केंद्रित किया कि कैसे अमेरिकी बैंकिंग प्रणाली में हाल के घटनाक्रमों ने बैंकिंग क्षेत्र के विनियमन और पर्यवेक्षण की महत्वपूर्णता को सामने लाया है।

ये ऐसे क्षेत्र हैं जिनका हर देश की वित्तीय स्थिरता को बनाए रखने पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है। अधिक विशेष रूप से, यूएस में ये विकास विवेकपूर्ण परिसंपत्ति देयता प्रबंधन, मजबूत जोखिम प्रबंधन, और देनदारियों और संपत्तियों में सतत विकास, समय-समय पर तनाव परीक्षण करने, और किसी भी अप्रत्याशित भविष्य के तनाव के लिए पूंजीगत बफर्स का निर्माण सुनिश्चित करने के महत्व को प्रेरित करते हैं।

उन्होंने कहा- वह यह भी बताते हैं कि क्रिप्टो मुद्राएं/संपत्ति या जैसे, प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से बैंकों के लिए एक वास्तविक खतरा हो सकता है। दास ने कहा- रिजर्व बैंक ने इन सभी क्षेत्रों में आवश्यक कदम उठाए हैं। वित्तीय क्षेत्र और विनियमित संस्थाओं के विनियमन और पर्यवेक्षण को उपयुक्त रूप से मजबूत किया गया है। नियामक कदमों में, अन्य बातों के अलावा, उत्तोलन अनुपात (जून 2019) का कार्यान्वयन, बड़े एक्सपोजर फ्रेमवर्क (जून 2019), वाणिज्यिक बैंकों में शासन पर दिशानिर्देश (अप्रैल 2021), मानक संपत्तियों के प्रतिभूतिकरण पर दिशानिर्देश (सितंबर 2021), एनबीएफसी के लिए स्केल-आधारित नियामक (एसबीआर) ढांचा (अक्टूबर 2021), माइक्रोफाइनेंस के लिए संशोधित नियामक ढांचा (अप्रैल 2022), शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) के लिए संशोधित नियामक ढांचा (जुलाई 2022) और डिजिटल ऋण देने पर दिशानिर्देश (सितंबर 2022) शामिल हैं। भारत की जी20 अध्यक्षता पर, दास ने कहा कि यह ऐसे समय में आया है जब देश एक बार फिर दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था के रूप में उभरा है।

सहारा के निवेशकों की भरने वाली है जेब, सरकार ने उठाया अहम कदम

नई दिल्ली। सहारा ग्रुप के निवेशक ध्यान दें। अगर उनका पैसा फंसा है तो उन्हें यह पैसा वापस मिल सकता है। यह संभव हो सकता है मोदी सरकार के उस प्रयास से जिसके तहत सरकार ने 5,000 करोड़ रुपये अलॉट करने के लिए सुप्रीम कोर्ट से आवेदन किया है ताकि 1.1 करोड़ निवेशकों के पैसों का भुगतान किया जा सके।

साल 2012 में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा हाउसिंग और सहारा रियल एस्टेट को 25,781 करोड़ रुपये डिपॉजिट करने का ऑर्डर दिया था। इन कंपनियों ने मार्च 2008 और अक्टूबर 2009 में तीन करोड़ निवेशकों से यह राशि जुटाई थी। इन दो कंपनियों ने अब तक 15,569 करोड़ रुपये जमा कराए हैं जिन पर 9,410 करोड़ रुपये ब्याज बना है। इस तरह सहारा-सेबी फंड में कुल 24,979 करोड़ रुपये जमा हैं। रिफंड के बाद इस अकाउंड में अब भी 23,937 करोड़ रुपये जमा हैं।

इन लोगों की जीवनभर की गाढ़ी कमाई का पैसा लंबे समय से सहारा ग्रुप की चार कोऑपरेटिव सोसाइटीज में पड़ा है। अपने पैसों को पाने के लिए उन्हें दर-दर की ठोकरें खानी पड़ रही है। सरकार की तरफ से संसद में दी गई जानकारी के मुताबिक सेबी को 81.70 करोड़ रुपये की कुल मूल राशि के लिए 53,642 ओरिजिनल बॉन्ड सर्टिफिकेट/पास बुक से जुड़े 19,644 आवेदन मिले हैं। सेबी ने इनमें से 138.07 करोड़ रुपये की कुल राशि 48,326 ओरिजिनल बॉन्ड सर्टिफिकेट/पासबुक वाले 17,526 एलिजिबल बॉन्डहोल्डर्स को रिफंड किया है। इसमें 70.09 करोड़ रुपये मूलधन और 67.98 करोड़ रुपये का ब्याज शामिल है।

जी कृष्णकुमार भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन के नए अध्यक्ष

नई दिल्ली। जी कृष्णकुमार को भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) का अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया गया है, एक बयान में यह जानकारी दी गई। वर्तमान में बीपीसीएल के कार्यकारी निदेशक, वह तेल प्रमुख के साथ अपने 36 साल के सहयोग में व्यवसायों और कार्यात्मक डोमेन में विविध नेतृत्व के अनुभव के साथ उद्योग के दिग्गज हैं। वह देश में डाउनस्ट्रीम ईंधन खुदरा उद्योग में क्रांति लाने में बीपीसीएल के अग्रणी कार्य के मूल में रहे हैं। कृष्णकुमार एनआईटी (पूर्ववर्ती क्षेत्रीय इंजीनियरिंग कॉलेज), तिरुचिरापल्ली से इलेक्ट्रिकल इंजीनियर हैं और उन्होंने जमनालाल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, मुंबई से वित्तीय प्रबंधन में स्नातकोत्तर किया है। कंपनी की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि उन्होंने सुविधा खुदरा बिक्री और प्रीमियम ईंधन में संगठन के ग्राहक-केंद्रित उद्यमों का नेतृत्व किया है और कंपनी में नई तकनीक और डिजिटल पहल शुरू करने वाले भी हैं, जो भारतीय तेल उद्योग में पहली बार है।

रतन टाटा को द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया में किया गया नियुक्त

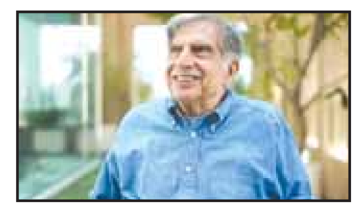

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के गवर्नर जनरल ने घोषणा की है कि भारत के शीर्ष उद्योगपति अरतन टाटा को ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया में नियुक्त किया गया है। 2022 तक, टाटा संस के चेयरमैन एमेरिटस और टाटा समूह के पूर्व अध्यक्ष रतन टाटा की कुल संपत्ति 3800 करोड़ रुपये है। गवर्नर जनरल के कार्यालय द्वारा जारी बयान में कहा गया है, ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों के लिए उनके समर्थन की मान्यता में, वह ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) के जनरल डिवीजन में मानद अधिकारी के रूप में नियुक्ति के साथ औपचारिक राष्ट्रीय मान्यता के योग्य हैं।

भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त बैरी ओफारेल ने शुक्रवार को ट्वीट किया- ऑस्ट्रेलिया-भारत संबंधों, विशेष रूप से व्यापार, निवेश और परोपकार के लिए विशिष्ट सेवा के लिए श्री रतन टाटा को ऑर्डर ऑफ ऑस्ट्रेलिया (एओ) में एक मानद अधिकारी नियुक्त करने की ऑस्ट्रेलियाई गवर्नर-जनरल की घोषणा पर खुशी हुई।

टाटा, गहरे द्विपक्षीय संबंधों के लिए एक मजबूत और प्रभावशाली समर्थक रहे हैं, जिसमें ऑस्ट्रेलिया-भारत आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते की वकालत करना शामिल है, जिसे 2022 में अंतिम रूप दिया गया था, और भारत में आने वाले व्यापार और सरकारी नेताओं का समर्थन किया।

बयान में कहा गया, उनके काम में स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, जल, कृषि, पर्यावरण और ऊर्जा, सामाजिक न्याय और समावेशन, डिजिटल परिवर्तन, आपदा राहत, और महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण सहित व्यापक क्षेत्रों में विकास का समर्थन करना और अवसर पैदा करना शामिल है।

मुक्केबाजी विश्व चैम्पियनशिप : नीतू, प्रीति, मंजू प्री क्वार्टर फाइनल में

नर्द दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजों का महिला विश्व चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन जारी है और शनिवार को तीन मुक्केबाजों ने अपने अपने मुकाबले जीतकर प्री क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता नीतू गंघास (48 किलो) ने कोरिया की डोयोन कांग को आरएससी फैसले पर हराया जबकि प्रीति ने 54 किलोवर्ग में रोमानिया की लाकरामियोआरा पेरिजोक को बंटे हुए फैसले के आधार पर 4 . 3 से शिकस्त दी।

मंजू बाम्बोरिया (66 किलो) ने न्यूजीलैंड की सारा वेरेयू को 5 . 0 से हराया।

नीतू पिछले चरण में क्वार्टरफाइनल में हार गयी थीं, उन्होंने इस बार पहले राउंड में ही मुकाबला जीत लिया।

पहले मिनट में उन्होंने अपने 'हुक' और 'क्रास' का बखूबी इस्तेमाल किया लेकिन अंक जुटाने वाले मुक्के नहीं जड़ सकीं। फिर दोनों मुक्केबाजों ने दोनों हाथों से एक दूसरे को मुक्के जडऩा शुरू कर दिया। तुरंत ही कोरियाई मुक्केबाज कांग को पहला 'स्टैंडिंग काउंट' मिला।

नीतू ने फिर दबदबा जारी रखा और कांग को दूसरा 'स्टैंडिंग काउंट' 20 सेकेंड बाद मिला जिससे रैफरी ने मुकाबला भारतीय मुक्केबाज के पक्ष में कर दिया।

पहले दौर में आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत दर्ज करने वाली प्रीति को हालांकि दूसरी जीत के दौरान मशक्कत करनी पड़ी।

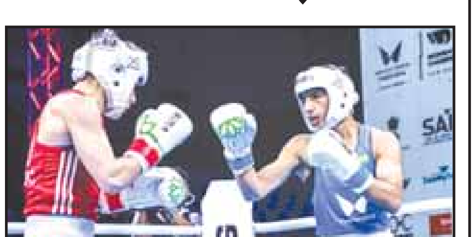

उन्होंने कहा, मैंने इस मुकाबले की तैयारी की थी, वह पिछली बार रजत पदक जीती थी। मैं भी साबित करना चाहती थी कि मैं किसी से कम नहीं हूं।

2022 एशियाई चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता प्रीति ने कहा, मैं शुरू में उसकी रणनीति समझने की कोशिश कर रही थी। अंतिम राउंड में मैंने रणनीति बदली। वह आक्रामक थी और संतुलन खो रही थी।

बोपन्ना एटीपी मास्टर्स बने 1000 का खिताब जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी

इंडियन वेल्स। भारत के रोहन बोपन्ना यहां बीएनपी परिबास ओपन टेनिस टूर्नामेंट में अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैट एबडेन के साथ पुरुष युगल का खिताब जीतकर एटीपी मास्टर्स 1000 प्रतियोगिता जीतने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

बोपन्ना अभी 43 वर्ष के हैं। उन्होंने और 35 वर्षीय एबडेन ने शनिवार को फाइनल में वेस्ले कूलहोफ और ब्रिटेन के नील स्कूपस्की की नीदरलैंड की शीर्ष वरीयता प्राप्त जोड़ी को 6-3, 2-6, 10-8 से हराया।

अपने 10वें एटीपी मास्टर्स 1000 फाइनल में खेल रहे बोपन्ना ने कहा,वास्तव में विशेष। इसलिए इसे टेनिस का स्वर्ग कहा जाता है। मैं बरसों से यहां आ रहा हूं और लोगों को यहां खिताब जीतते हुए देख रहा हूं। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि मैं और मैट यहां खिताब जीतने में सफल रहे।

उन्होंने कहा, हमने कड़े और करीबी मैच खेले। आज हमारा सामना यहां मौजूद सर्वश्रेष्ठ टीम से था। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हम ट्रॉफी जीतने में सफल रहे।

बोपन्ना ने इस तरह कनाडा के डेनियल नेस्टर को पीछे छोड़ा, जिन्होंने 2015 में सिनसिनाटी मास्टर्स में 42 साल की उम्र में खिताब जीता था।

उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा,मैंने डैनी नेस्टर से बात की और मैंने उनसे कहा कि मुझे खेद है कि मैं उनका रिकॉर्ड तोडऩे जा रहा हूं। यह खिताब हमेशा मेरे साथ रहेगा और मैं वास्तव में इससे बहुत खुश हूं।

बोपन्ना का का यह कुल पांचवा और 2017 में मोंटेकार्लो ओपन के बाद पहला मास्टर्स 1000 युगल खिताब है। भारत और ऑस्ट्रेलिया की जोड़ी का यह इस साल तीसरा फाइनल था। बोपन्ना अब तक टूर स्तर पर कुल 24 खिताब जीत चुके हैं।

मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे ने पहले दिन बॉक्स ऑफिस पर मारी बाजी

बीते दिन यानी शुक्रवार को बॉक्स ऑफिस पर रानी मुखर्जी की मिसेज चटर्जी वर्सेज नॉर्वे और कपिल शर्मा की ज्विगाटो ने दस्तक दी। दोनों ही फिल्मों के ट्रेलर को दर्शकों ने काफी पसंद किया था और इनका बेसब्री से इंतजार कर रहे थे। दमदार मां के किरदार में रानी ने सबका दिल जीत लिया है, तो कपिल भी डिलीवरी बॉय बनकर छा गए हैं। आइए जानते हैं बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन किस फिल्म ने कितनी कमाई की है।

आशिमा छिब्बर के निर्देशन में बनी यह फिल्म सच्ची घटना पर आधारित है। इसमें सागरिका चटर्जी के नॉर्वे सरकार से अपने बच्चों को वापस पाने के लिए संघर्ष की कहानी दिखाई गई है। फिल्म में रानी देबिका के किरदार में नजर आई हैं और अपने बच्चों की खातिर पूरे देश के खिलाफ अकेले लड़ाई लड़ती हैं। फिल्म के कारोबार की बात करें तो अभी तक आए आंकड़ों के अनुसार, यह पहले दिन 1.27 करोड़ रुपये कमाने में सफल रही है।

नंदिता दास की फिल्म ज्विगाटो में कॉमेडियन कपिल एक अलग ही किरदार में नजर आए हैं। कोरोना वायरस के बाद लगे लॉकडाउन में नौकरी जाने के बाद डिलीवरी बॉय का काम करने पर मजबूर हुए इस शख्स की कहानी लोगों को पसंद आ रही है। हालांकि, पहले दिन फिल्म बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक कमाई करने में सफल नहीं हो पाई है और इसने महज 40 लाख रुपये का कारोबार किया है।

अजय देवगन की फिल्म सिंघम अगेन अगले साल सिनेमाघरों में देगी दस्तक

बॉलीवुड के सुपरस्टार अजय देवगन का नाम इंडस्ट्री के सबसे दमदार कलाकारों में शुमार है. अजय देवगन की सबसे बेहतरीन फिल्मों की बात की जाए तो उसमें सिंघम का नाम टॉप लिस्ट पर जरूर शामिल होगा. अब तक अजय सिंघम और सिंघम रिटर्न्स के जरिए दर्शकों को भरपूर मनोरंजन कर चुके हैं. बीते समय में डायरेक्टर रोहित शेट्टी अजय देवगन स्टारर सिंघम अगेन यानी तीसरे पार्ट का एलान कर चुके हैं. इस बीच अब सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है. मशहूर फिल्म क्रिटिक्स तरण आदर्श की ओर से अजय देवगन की सिंघम अगेन की रिलीज डेट को लेकर बड़ा अपडेट मिला है.

बिहार की स्पेशल 'घुंघनी'

बिहार के खानपान की बात ही अलग है। यहां का लिट्टी-चोखा ही नहीं लौंगलता, पीठा भी बहुत जायकेदार होता है। लेकिन आज हम बनाना सीखेंगे घुंघनी, जान लें इसकी रेसिपी।

सामग्री :

2 कप काला चना रातभर भिगोया हुआ, 5 मीडियम साइज प्याज बारीक कटे हुए, 2 टमाटर बारीक कटे हुए, 1 छोटा चम्मच लाल मिर्च पाउडर, 1/4 छोटा चम्मच हल्दी पाउडर, 1 छोटा चम्मच जीरा पाउडर, 1 बड़ा चम्मच धनिया पाउडर, 1 छोटा चम्मच गरम मसाला पाउडर, 1 छोटा चम्मच जीरा, 2 सूखी लाल मिर्च, 1 तेजपत्ता, 1 चम्मच लहसुन-अदरक का पेस्ट, 2 साबुत लहसुन, स्वादानुसार नमक, 2 बड़े चम्मच सरसों तेल और बारीक कटा हरा धनिया

विधि :

- कुकर में तेल गर्म करें। उसमें जीरा, सूखी मिर्च और तेजपत्ता डालकर एक मिनट चलाएं।
- प्याज डालें, अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर सुनहरा होने तक भूनें।
- अब मिर्च, हल्दी, धनिया और जीरा पाउडर डालकर मिलाएं, फिर टमाटर डालकर तेल दिखने तक भूनें।
- अब चना डालकर मीडियम आंच पर 4-5 मिनट तक भूनें।
- अब 5 कटोरी पानी, नमक, गरम मसाला और साबुत लहसुन डालकर कुकर बंद कर मीडियम आंच पर 10 मिनट या चना गलने तक पकाएं।
- आंच बंद करें और हरा धनिया डालकर गरमागरम पूड़ी, पराठे या चावल के साथ परोसें।
- बिहार से इसे भुना चूड़ा या मुरमुरे के साथ बारीक कटा प्याज, हरी मिर्च और नमकीन डालकर खाया जाता है।

शब्द सामर्थ्य- 08

बाएं से दाएं

1. खूब कसा हुआ, फूर्तिला, जो शिथिल व आलसी न हो 3. सार्वजनिक स्थान, संस्था, अस्तित्व, समिति 4. पौरुष, पुरुषत्व, मर्द होने का भाव 6. अंधेरा, अंधकार 7. लिपाई करना 9. शरीर, काया, जिस्म 10. मां के पिता, विभिन्न 12. महीना, मास 14. प्रियतम, बलमा, सजना 15. पांडवों का सबसे छोटा भाई 17. नशा, घमंड, खाता 19. वनोपज, वन से प्राप्त सामाग्री 21. शक्तिशाली, बलवान 24. तीव्र इच्छा 25. हथेली।

ऊपर से नीचे

1. निंदा, बुराई 2. निर्जीव, निष्प्राण 3. ध्वनियों या स्वरों का विशिष्ट लय में प्रस्फुटन, धुन, म्युजिक 4. झुका हुआ, विनीत 5. रूठे हुए को प्रसन्न करना, राजी करना 8. आश्रय, शरण 11. जन्म, जिंदगी 12. इंसानियत, मनुष्यता 13. रास्ता, मार्ग 14. एक हिंदी महीना, श्रावण 15. सपाट, जो उबड़-खाबड़ न हो 16. पति का छोटा भाई 18. गहरा कीचड़, पंक 20. आत्मा, अंत:करण (उ.) 22. बीता हुआ या आने वाला दिन 23. बगुला।

1		■	2	■	3		4	■
	■	5				■	6	
7	8		■	■	9		■	■
■	10		■	■	■	■	11	■
12		■	13	■	14			■
	■	15		16		■	17	18
	■		■	19		20	■	
21	22		23		■		■	
■	24			■	25			

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 007 का हल

गु	मा	न	■	■	प	यो	द	■
न	■	ह	क	दा	र	■	ल	य
ह	वा	ला	त	■	च	■	द	म
गा	■	■	रा	ज	म	ह	ल	■
र	ई	स	■	ग	■	स	■	अ
■	मा	■	प	त	वा	र	■	ल
ख	न	क	ना	■	ह	त	■	बे
स	दा	■	ह	■	वा	■	शो	ला
रा	र	■	■	■	ही	र	क	■

सू-दोकू- 08

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक रख सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.007 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आज का राशिफल

आज का राशिफल

मेष : (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)

आज आपके पास ख़ुद के लिए समय मिलेगा, अच्छी सेहत के लिए आराम, पैदल सैर, योगा, प्राणायाम अवश्य करें। आर्थिक तौर पर सुधार के चलते आप आसानी से काफ़ी वक़्त से लंबित बिल और उधार चुका सकेंगे। ऐसा दिन है जब काम का दबाव कम रहेगा और आप परिवार के साथ समय बिताने का मज़ा ले पाएंगे। वरिष्ठ से आपको पदोन्नति या लम्बे वक़्त से लटके किसी काम के पूरे होने का तोहफ़ा मिल सकता है। जीवनसाथी की सलाह आवश्यक व लाभकारी रहेगी। उन लोगों से मेलजोल बढ़ाने से बचें जिनके साथ आपका वक्त खराब होता है। स्वास्थ्य लाभ होगा।

वृष : (ई, ऊ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो)

आप आज ख़ुद को रोज़ाना की अपेक्षा कम ऊर्जावान महसूस करेंगे। स्वयं को ज़रूरत से ज़्यादा काम के नीचे न दबाएँ, थोड़ा आराम करें। अगर आप लम्बे वक़्त के लिए निवेश करें, तो अच्छा-ख़ासा फ़ायदा हासिल कर सकते हैं। अपने दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। आज के दिन घर का माहौल बढ़िया बना रहेगा। शहर से बाहर यात्रा ज़्यादा आरामदेह नहीं रहेगी, लेकिन आवश्यक जान-पहचान बनाने के लिहाज़ से फ़ायदेमंद साबित होगी।

मिथुन : (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, हा)

आप भावनात्मक तौर पर बहुत संवेदनशील हैं, इसलिए ऐसे हालात से बचें जो आपको चोट पहुँचा सकते हों। आपके द्वारा धन को बचाने के प्रयास आज असफल हो सकते हैं हालांकि आपको इससे घबराने की जरुरत नहीं है स्थिति जल्द ही सुधरेगी। अगर आज आप अपने परिचितों पर अपने फ़ैसले थोपने की कोशिश करेंगे, तो आप अपने हितों को ही नुक़सान पहुँचाएंगे। हालात का सामना धैर्य से करना ही अच्छे परिणाम दे सकता है। स्वास्थ्य सही रहेगा।

कर्क : (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो)

घर की जरुरतों को देखते हुए आज आप अपने जीवनसाथी के साथ कोई कीमती सामान खरीद सकते हैं जिससे आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं। परिवार के साथ सामाजिक गतिविधियों में सहभागिता काफ़ी मानसिक दबाव पैदा कर सकती है। आपमें बहुत-कुछ हासिल करने की क्षमता है- इसलिए अपने रास्ते में आने वाले सभी मौक़ों को झट-से दबोच लें। समय का पहिया बहुत तेजी से चलता है इसलिए आज से ही अपने कीमती समय का सही इस्तेमाल करना सीख लें। अपने स्वास्थ्य को लेकर ज़्यादा चिंता न करें।

सिंह : (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे)

अपने शरीर की थकान मिटाने और ऊर्जा-स्तर को बढ़ाने के लिए आपको पूरे आराम की ज़रूरत है, नहीं तो शरीर की थकावट आपके मन में निराशावादिता को जन्म दे सकती है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी-भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का समय है। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। स्वास्थ्य सही रहेगा।